सोमवार
30 सितम्बर 2024

पृष्ठ 4
सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है..

पृष्ठ 5
ब्लू डेनिम आउटफिट में एक्ट्रेस निक्की...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 232
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

विकास तब शुरू होता है जब हम अपनी कमज़ोरी को स्वीकार करना शुरू करते हैं।
— जीन वेनियर

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सर्राफा व्यापारी से तमंचे के बल पर लूट करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

●तमंचा, कारतूस, लूटा गया जेवरात व नगदी बरामद

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सर्राफा व्यापारी से तमंचे की नोक पर लूट करने वाले दो और बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से तमंचा, कारतूस, लूटा गया जेवरात, नगदी व लूट में प्रयुक्त बाइक बरामद की गयी है। मामले में गैंग लीडर सहित दो बदमाशों को पुलिस पूर्व में ही मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर चुकी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने बताया कि बीती 14 सितम्बर को सर्राफा व्यापारी संजीव कुमार वर्मा और उनके बेटे को बदमाशों द्वारा तमंचे की नोक पर लूट लिया गया था। जिसकी तहरीर के आधार पर पुलिस ने कोतवाली जसपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था। लुटेरों के तलाश में जुटी पुलिस टीम को देर रात बदमाशों की एक सूचना मिली। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मुरलीवाला शरीफनगर रोड पर बने खण्डर से बदमाश इरफान व रिजवान को दो तमंचो व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके कब्जे से सर्राफा व्यापारी से लूटा गया जेवरात व नगद रुपये बरामद किये गये।

बता दें कि बीती 25 सितम्बर को रात्रि के समय जसपुर पुलिस चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान सूतमील चौकी के पास पुलिस द्वारा बाइक सवार दो लोगों को रोकने का प्रयास किया गया तो बदमाशों ने पुलिस की तरफ तमंचे से फायर झोंक दिया जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर बदमाशों को धर्मपुर- आसपुर रोड पर घेर लिया था, बदमाशों द्वारा पुलिस पर फायर किये गये जिसके बाद पुलिस मुठभेड में एक गोली एक बदमाश के पाव में लगी थी जिसके बाद घायल बदमाश दिलशाद को पुलिस टीम द्वारा दबोच लिया गया था जबकि एक बदमाश साजिद उर्फ कल्लन मौके से खेत व जंगल के रास्ते भाग निकला था। घायल बदमाश दिलशाद से तमंचा, कारतूस, लूटे गये जेवरात, नगद 6130 रुपये व एक मोबाईल फोन बरामद किया गया था जिसके बाद पुलिस ने 26 सितम्बर को मुठभेड में आरोपी साजिद उर्फ कल्लन को लूट में प्रयुक्त मोटरसाईकिल पल्सर, लूट के मोबाईल फोन व लूट के 8500 रुपयों के साथ गिरफ्तार किया गया था। जबकि बदमाश इरफान पुलिस के ऊपर फायर झोंक कर

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

साईबर ठगों को फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराने वाला शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। साईबर ठगों को फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराने वाले एक शातिर को एसटीएफ की साईबर थाना पुलिस ने हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अब तक देश विदेशों में साईबर ठगों को 20 हजार से ज्यादा सिम कार्ड उपलब्ध करा चुका है। जिसके कब्जे से 1816 सिम कार्डस, दो चेक बुक, 5 मोबाइल फोन व 2 बायोमैट्रिक डिवाइस भी बरामद की गयी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह द्वारा बताया गया कि माह अप्रैल-2024 में माजरी माफी मोहकमपुर देहरादून निवासी एक शिकायतकर्ता की तहरीर के आधार पर थाना नेहरु कॉलोनी पर दर्ज मुकदमे की विवेचना एसटीएफ/साइबर क्राईम पुलिस

स्टेशन को प्राप्त हुई थी जिसमें पीडित द्वारा बताया गया कि वह पिछले 8 महीने से फेसबुक पर कल्याणी निवासी चेन्नई नामक

देश-विदेशों में 20 हजार से ज्यादा सिम कार्ड करा चुका है उपलब्ध

फेसबुक फ्रैण्ड के सम्पर्क में था जिसके द्वारा मेटल एडवाइजर का कार्य करना बताया गया था और वह किसी वेबसाईट पर लोगों को पैसा इन्वेस्ट कर तीनगुना मुनाफा कमाने को कहती थी। उसके द्वारा फेसबुक पर कई ऐसी चैट के स्क्रीनशॉट डाले गये थे जिसमें लोगों ने तीन गुना फायदा होने की बात स्वीकार की थी। जिस पर उसके द्वारा खुद भी इन्वेस्टमेण्ट करने का फैसला किया गया और सबसे पहले 10,000/- रुपये इन्वेस्ट किये जिसका मुनाफा 2 दिन के अन्दर कुल रुपये 23,776/- उसके बैंक अकाउण्ट में आ गये। उसके बाद उसने 25 हजार रुपये

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

महाराष्ट्र सरकार ने गाय को 'राज्यमाता' घोषित किया

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने एक आदेश जारी करके गाय को राज्यमाता घोषित किया है। आदेश में लिखा गया है कि शासन ने यह निर्णय लिया है कि गाय का भारतीय संस्कृति, वैदिक काल से महत्व है। देसी गाय का दूध मानव आहार के लिए उपयुक्त है। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति,पंचगव्य उपचार पद्धति, इस तरह गोमूत्र जैविक खेती पद्धति के महत्व को देखते हुए गाय को अब से राज्यमाता घोषित किया जा रहा है। भारत में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है और हिंदू धर्म में उसकी पूजा का विधान है। इसके अलावा उसके दूध, मूत्र और गोबर को पवित्र माना जाता है और इनका बहुतायत में इस्तेमाल भी किया जाता है। गाय का दूध मानव शरीर के लिए काफी लाभकारी है, वहीं गौमूत्र से कई बीमारियों को ठीक करने का दावा किया जाता है। गाय को राज्यमाता का दर्जा देने की बात ऐसे दौर में सामने आई है, जब आए दिन गोकशी और गोतस्करी के मामले सामने आते हैं। राज्य सरकारें इस मामले को लेकर चौंकन्नी तो हैं, लेकिन ऐसे मामलों पर नकेल नहीं कसी जा सकी है। यूपी में तो आज ही गोकशी के 2 मामले सामने आए।

नेपाल में बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 170 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल में बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 170 हो गई, जबकि 111 लोग घायल हुए हैं। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषिराम तिवारी ने विभिन्न जिलों में बाढ़ और भूस्खलन से मची तबाही की जानकारी साझा की। मंत्रालय ने रविवार को यह पुष्टि की कि इन आपदाओं में 111 लोग घायल हुए हैं, जबकि लगभग 4,000 लोगों को बचाया गया है। सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती के साथ बचाव और राहत कार्यों समेत तलाशी अभियान में तेजी लाई गई है।

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 170 पहुंच चुकी है। नेपाली सेना के हेलीकॉप्टरों ने कावरे,

सिंधुली और ललितपुर जिलों के कुछ हिस्सों में घायल या फंसे हुए 162 लोगों को एयरलिफ्ट किया है। आपदा से बचे लोगों तक खाद्य आपूर्ति सहित राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। साथ ही घायलों का सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार किया जा रहा है। तिवारी ने कहा, ष्सरकार सभी संबंधित एजेंसियों के बीच पूर्ण समन्वय है। बचाव और राहत प्रयासों को प्राथमिकता दी जा रही है। ब्लॉक सड़कों को साफ करने के साथ ही पुनर्निर्माण कार्य भी चल रहा है।ष् अधिकारियों के अनुसार, बाढ़ के कारण 625.96 मेगावाट की संयुक्त उत्पादन क्षमता वाले 11 चालू जलविद्युत संयंत्रों को नुकसान पहुंचा है और अन्य चालू संयंत्रों को बंद करना पड़ा है। बताया जा रहा है कि इस वजह से 1,100 मेगावाट की उत्पादन क्षमता रुक गई है, जो देश के चालू बिजली संयंत्रों की कुल क्षमता का लगभग एक तिहाई है। निर्माणाधीन पंद्रह जलविद्युत संयंत्र भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

भू कानून बना मुसीबत

उत्तराखंड की धामी सरकार के लिए अब भू कानून गले की हड्डी बनता जा रहा है। इसकी मांग इतनी तेजी से आगे बढ़ रही है कि राज्य आंदोलन की तरह भू-कानून आंदोलन भी अब एक जन आंदोलन बनता जा रहा है बीते कल ऋषिकेश की महारैली में उमड़ी रिकॉर्ड भीड़ देखकर तो यही लगता है कि अब इसे रोक पाना संभव नहीं है। सवाल यह है कि जब मुख्यमंत्री लगातार इस बात का भरोसा दिला रहे हैं कि वह जल्द ही जन अपेक्षाओं के अनुरूप सख्त भू कानून लाने जा रहे हैं यही नहीं उन्होंने बजट सत्र में कानून लाने की बात कही है। क्या सूबे के लोगों को उनकी बात का भरोसा नहीं है या फिर इस आंदोलन के पीछे कुछ अन्य कारण निहित है। मुख्यमंत्री या भाजपा के नेता जिस ढाई सौ वर्ग मीटर जमीन खरीद की बात कर रहे हैं इसकी आड़ में लोगों ने परिजनों के नाम से भी जमीन खरीद कर लैंड बैंक बना लिया। असल मुद्दा वह नहीं है बल्कि असल मुद्दा है 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा उद्योगों व निवेशकों के लिए जमीन की क्रय सीमा को समाप्त किया है। इससे पूर्व राज्य में कोई भी व्यक्ति 12.5 हेक्टेयर से अधिक जमीन ही खरीद सकता था लेकिन त्रिवेंद्र रावत ने सीलिंग की इस सीमा को तोड़ दिया इसके बाद पहाड़ में बड़ी प्रचुर मात्रा में जमीनों की खरीद फरोख्त हुई मुंबई, मद्रास, कोलकाता और गुजरात से लेकर दिल्ली तक के धन्ना सेठो ने जमीनें खरीद डाली। खास बात यह है कि इसमें बड़ी संख्या में भाजपा और संघ से जुड़े नेताओं की जमीन भी बताई जा रही है। सवाल यह भी चर्चाओं के केंद्र में है कि त्रिवेंद्र रावत ने यह फैसला केंद्र सरकार के इशारे पर लिया था। मुख्यमंत्री धामी द्वारा जो बजट सत्र में सख्त कानून लाने की बात कही गई है उस पर कांग्रेस नेता गणेश गोदियाल ने कहा है कि अब आया है ऊंट पहाड़ के नीचे। इसका मतलब पूछे जाने पर वह कहते हैं कि क्या त्रिवेंद्र ने अपनी मर्जी से सीलिंग की सीमा हटाई थी या फिर क्या धामी अपनी मर्जी से सख्त भू कानून लेकर आ सकते हैं। उनका तो यहां तक कहना है कि बजट सत्र में तो बहुत लंबा समय है उन्हें चाहिए कि वह इस मुद्दे पर तत्काल प्रभाव से एक समिति गठित करें जिसमें सभी राजनीतिक दलों व विशेषज्ञों को शामिल करें। अन्यथा तो यह मान लिया जाना चाहिए कि वह इसे टालने का प्रयास कर रहे हैं क्योंकि इसकी जटिलताओं का उन्हें बोध है। लेकिन पहाड़ की भोली भाली जनता जो बीते दिनों गैरसैंण में महारैली में पहुंची थी और कल ऋषिकेश की सड़कों पर उतरी थी उसे वास्तव में इस मुद्दे की असल जानकारी नहीं है उसे तो बस इतना पता है कि पहाड़ में बाहर से आकर लोग जमीनें खरीद रहे हैं तथा बड़े-बड़े रिजार्ट बना रहे हैं उनकी जमीन चली जाएगी तो खाएंगे क्या? वैसे भी उत्तराखंड में कुल क्षेत्रफल का सिर्फ 19 फीसदी ही कृषि भूमि है। इस पर अब दूसरे राज्यों के लोगों का कब्जा हो जाएगा उद्योग-धंधे तो पहले से ही नहीं है रोजगार नहीं, धंधा नहीं और अगर जमीन भी नहीं होगी तो बचेगा क्या? सिर्फ मजदूरी करने के सिवाय। समस्या गंभीर भी है जटिल भी है। जिन्होंने भी जमीन खरीदी है वह राज्य के भू कानून के अनुसार ही खरीदी होगी। मुख्यमंत्री सारी जमीनों की जांच कराने की जो बात कह रहे हैं क्या वह आसान काम है या फिर चंद दिन में ही संभव है। कानूनी तौर पर खरीदी गई जमीन को सरकार कैसे गैर कानूनी बताकर सरकार में निहित कर सकती है। इसलिए यह सभी बातें हवा हवाई ही लगती है लेकिन इस मुद्दे पर खड़े हुए आंदोलन ने सरकार की नींद जरूर उड़ा दी है कानून जब आएगा तब आएगा।

क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति ने किया वृक्षारोपण, ट्री गाड्र्स भी लगाए

कार्यालय संवाददाता

देहरादूनन। क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति द्वारा इस मानसून सत्र का 13वां एवं इस वृक्षारोपण सत्र का अंतिम अभियान सेलाकुई के गांव राजावाला (तृतीय चरण) में संपन्न किया गया। इस अवसर पर गुलमोहर, नीम, पीपल, बरगद, चक्रेसिया, सिल्वर ओक, रात की रानी इत्यादि के 100 से अधिक वृक्षों का रोपण किया गया। इस अवसर पर मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराए गए ट्री गाड्र्स भी लगाए गए पेड़ो की सुरक्षा हेतु लगाए गए।

क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति द्वारा लगातार मानसून सत्र के तीसरे माह में किया गया ये 13वां एवं अंतिम वृक्षारोपण अभियान है। राजावाला गांव के प्रधान श्री सुरेश द्वारा अत्यधिक सहयोग प्रदान किया गया। गांव में मौजूद हिमालयन इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च के बाहर वाली मुख्य सड़क पर वृक्ष लगाए गए। वृक्षारोपण हमारे पर्यावरण के संरक्षण और सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। वृक्षों की भूमिका केवल सुंदरता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, वे जीवन के लिए आवश्यक कई लाभ प्रदान करते हैं।

वृक्षारोपण को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। हम सभी को चाहिए कि हम अपने आस-पास वृक्ष लगाएं, उनकी देखभाल करें और अन्य लोगों को भी इस कार्य के लिए प्रेरित करें। एक वृक्ष लगाना केवल एक पौधा लगाने की बात नहीं है, यह भविष्य के लिए एक कदम है।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष एवं संस्थापक राम कपूर, रनदीप अहलूवालिया, अमरनाथ कुमार, शंभू शुक्ला, राजेश बाली, सुदीप ममगाई, जेपी किमोठी, अमित चौधरी, नितिन कुमार, दिवाकर नैथानी, हर्षवर्धन जमलोकी, प्रदीप रावत, शिवम शुक्ला, नमित चौधरी, अमुल्या, अदिति एवं राजावाला गांव के प्रधान श्री सुरेश जी एवं हिमालय इंस्टीट्यूट का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

डीआईटी विश्वविद्यालय में ओजोन दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

हमारे संवाददाता

देहरादून। विश्व ओजोन दिवस का कार्यक्रम ओजोन परत की रक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है, जो पृथ्वी को हानिकारक यूवी विकिरण से बचाता है, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करते हुए, ओजोन-क्षयकारी पदार्थों को कम करने के वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देता है।

विश्व ओजोन दिवस पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला संयुक्त रूप से 26 सितंबर, 2024 को उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूकेपीसीबी) और भूमि, वायु और जल उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-एलएडब्ल्यू), डीआईटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की गई

थी। मुख्य अतिथि: डॉ. जी रघुराम, कुलपति, डीआईटी विश्वविद्यालय और विशिष्ट अतिथि चंदन सिंह रावत, मुख्य पर्यावरण अधिकारी और यूकेपीसीबी के डॉ. अंकुर कंसल, संयोजक डॉ. नवीन सिंघल ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया और प्रतिनिधियों का परिचय दिया यह कार्यक्रम तकनीकी परिचर्चा, जीवन रक्षक और प्रदूषक दोनों के रूप में ओजोन की भूमिका, संबंधित जलवायु परिवर्तन और टिकाऊ प्रथाओं पर केंद्रित रही। रवि पांडे ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और जीएचजी शमन रणनीतियों के बारे में विस्तार से बताया मित्रा ने ओजोन मात्रा निर्धारण पर विस्तार से बताया, और डॉ. नीलेश यादव ने प्रदूषण शमन में वन आवरण की भूमिका पर चर्चा की। डॉ. देबाशीष चौधरी ने प्रदूषण को संवेदी धारणाओं से जोड़ते हुए अपरंपरागत सिद्धांत प्रस्तुत किए। कार्यशाला में विभिन्न तकनीकी कार्यक्रम भी शामिल थे जिनमें यूजी, पीजी और स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजनों ने विजेताओं को विधिवत सम्मानित किया गया। सत्र का संचालन कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. तरुमय घोषाल ने किया।

उत्तराखंड बचाओं संघर्ष समिति ने सीएम को लिखा खत

दिव्यांगजनों को किया राशन वितरित

हमारे संवाददाता

देहरादून। रायपुर विधानसभा में भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कमली भट्ट ने शांति कुष्ठ आश्रम नवजीवन ग्राम कुष्ठ आश्रम रोटरी कुष्ठ आश्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर चल रहे 'सेवा पखवाड़ा' के निमित क्षेत्र में दिव्यांगजनों को राशन वितरण किया। भाजपा नेत्री कमली भट्ट ने कहा कि ये सिर्फ भाजपा संगठन के ही संस्कार है जिसमें कार्यकर्ता हर पल सिर्फ आम जन मानस की सुख समृद्धी के लिए कार्य करता है। इस अवसर पर दीवान सिंह रावत, उमा, रोनिका, सारिका, कांता देवी, अंजू देवी, विमला, शिवानी, बहाल सिंह, रूपलाल आदि के लोग उपस्थित रहे।

मनो न्वा हुवामहे नाराशंसेन सोमेन।
पितघ्णां च मन्मभि:।
।।ऋग्वेद १०-५७-३।।

हम मन को भटकने ना दे। हमें मन को अपने पूर्वजों के ज्ञान और विचारों से संयुक्त करना चाहिए, और ज्ञान की परंपरा और निरंतरता को आगे बढ़ाना चाहिए।

नियम विरुद्ध खरीदी गई बाहरी लोगों की जमीन की रजिस्ट्री निरस्त करने की मांग की

कार्यालय संवाददाता

पिथौरागढ़। उत्तराखंड बचाओं संघर्ष समिति ने आज मुख्यमंत्री को ईमेल से पत्र भेजकर सबसे पहले अपने घर पिथौरागढ़ जनपद में राज्य बनने से पूर्व तथा राज्य बनने के बाद नियम विरुद्ध खरीदी गई बाहरी के लोगों की जमीन की रजिस्ट्री निरस्त करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि इसके लिए जिले में एक कमेटी गठित की जाए। जिसमें समिति के सदस्यों को भी शामिल किया जाए। उन्होंने दावा किया कि इस जनपद में भी नियम विरुद्ध बाहरी लोगों ने जमीन खरीदी है। उत्तराखंड के कुछ जनपदों में 250 वर्ग मीटर से अधिक जमीन खरीदने के मामले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जांच किए जाने की घोषणा की है।

समिति के राज्य संयोजक तथा चीन सीमा क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने सीएम धामी को अपने घर की याद दिला दी। कहा कि आपने अपने गृह जनपद को अन्य जिलों के साथ जांच में क्यों शामिल नहीं किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य बनने से पहले तथा उसके बाद चीन तथा नेपाल सीमा से लगे इस संवेदनशील जिले में बाहरी लोगों के द्वारा नियम विरुद्ध जमीन खरीदी गई है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने जमीन खरीदी है। उनका आज तक कोई भी पुलिस वेरिफिकेशन नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि आज भी पिथौरागढ़ जनपद में रोज बाहर के लोग आकर रोजगार के बहाने से बस रहे है। उनकी कोई नियमित जांच नहीं हो रही है। केवल जब कोई घटना होती है उसके बाद पुलिस सक्रिय दिखती है वह भी कुछ दिनों के लिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह रोस्टर के हिसाब से जांच की जानी चाहिए और इसकी रिपोर्ट ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत सदनों के अलावा नगर निकाय की विभिन्न सदनों में पुलिस अधिकारियों के द्वारा रखा जाना चाहिए। ताकि जनप्रतिनिधि इन वेरीफिकेशनों पर नजर रख सके।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने अगर पिथौरागढ़ जनपद की भूमि खरीद फरोख्त की जांच नहीं की तो मुख्यमंत्री जहां भी आएंगे समिति के कार्यकर्ता उनका विरोध करेंगे और उनसे सवाल पूछेंगे कि जब कोई अपने घर को ही सुरक्षित नहीं रख रहा हैं तो उनसे उत्तराखंड के उम्मीद कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही पिथौरागढ़ में 1950 मूल निवास तथा सख्त भू कानून की मांग को लेकर स्वाभिमान रैली आयोजित की जाएगी। इसके लिए विभिन्न जन संगठनों से बातचीत की जा रही है।

एसएसएमबी 29 के शीर्षक से उठा पर्दा...!

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और फिल्म निर्माता-निर्देशक एसएस राजामौली एसएसएमबी 29 के जरिए पहली बार साथ काम कर रहे हैं। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को लेकर दर्शक लगातार नई जानकारियों का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के नाम को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर प्रशंसक अपडेट मांग रहे हैं। ऐसे में अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है।

एसएसएमबी वहीं अब फिल्म के नाम की चर्चा तेज हो गई है। भले ही निर्माताओं ने अभी तक फिल्म पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन एसएसएमबी 29 की स्टार कास्ट और क्रू के बारे में कुछ दिलचस्प अटकलें काफी समय से चल रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि अब अफवाहों का बाजार गर्म है कि प्रोजेक्ट का आधिकारिक शीर्षक लगभग तय हो गया है। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि एसएस राजामौली ने अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म का शीर्षक तय कर लिया है, जो महेश बाबू के साथ उनका पहला ऑनस्क्रीन सहयोग है।

भले ही निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक की घोषणा नहीं की है, लेकिन विजुअल डेवलपमेंट आर्टिस्ट टीपी विजयन के हालिया अपडेट ने प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। वे वर्तमान में एसएसएमबी 29 के लिए राजामौली के साथ काम कर रहे हैं। तस्वीर में क्रू मेंबर ने गोल्डन ईगल विंग्स प्रॉप्स की एक जोड़ी की तस्वीर साझा की। इस बीच राजामौली का एक थ्रोबैक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपने एक ड्रीम प्रोजेक्ट गरुड़ के बारे में बात करते हैं।

भले ही निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक की घोषणा नहीं की है, लेकिन विजुअल डेवलपमेंट आर्टिस्ट टीपी विजयन के हालिया अपडेट ने प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। वे वर्तमान में एसएसएमबी 29 के लिए राजामौली के साथ काम कर रहे हैं। तस्वीर में क्रू मेंबर ने गोल्डन ईगल विंग्स प्रॉप्स की एक जोड़ी की तस्वीर साझा की। इस बीच राजामौली का एक थ्रोबैक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपने एक ड्रीम प्रोजेक्ट गरुड़ के बारे में बात करते हैं।

अब सोशल मीडिया पर अटकलें हैं कि महेश बाबू अभिनीत यह फिल्म भी वही प्रोजेक्ट हो सकती है और इसका नाम गरुड़ हो सकता है। इस बीच कुछ यूजर्स यह भी दावा कर रहे हैं कि एसएस राजामौली निर्देशित इस फिल्म में पौराणिक और काल्पनिक चीजें भी शामिल हो सकते हैं, जो गरुड़ से जुड़े हैं, जिसे भगवान विष्णु का वाहन माना जाता है। हालांकि, पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर इस बारे में खबरें चल रही हैं, लेकिन एसएसएमबी 29 की टीम ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। (आरएनएस)

बी हैप्पी से अभिषेक बच्चन की पहली झलक जारी

काफी समय से खबर आ रही थी कि अभिषेक बच्चन और रेमो डिसूजा बी हैप्पी नाम की एक फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। चर्चा थी कि फिल्म में अभिषेक एक बेटी के पिता का किरदार निभाने वाले हैं।फिल्म से जुड़ीं कई जानकारियां सामने आई थीं, लेकिन न तो निर्माता-निर्देशक और ना ही अभिषेक ने इसकी पुष्टि की थी।अब आखिरकार फिल्म का ऐलान हो गया है और इससे अभिषेक की पहली झलक भी सामने आ गई है।

बता दें कि अभिषेक की यह फिल्म सीधे अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म में अभिषेक के साथ बाल कलाकार इनायत वर्मा नजर आएंगी, जो फिल्म के पहले पोस्टर में अभिषेक के साथ दिख रही हैं।फिल्म में अभिषेक अकेले अपने बेटी की परवरिश करते दिखेंगे, क्योंकि वह इसमें सिंगल फादर की भूमिका निभा रहे हैं।यह एक अकेले पिता और उसकी समझदार बेटी की अनूठी और दिल को छू लेने वाली यात्रा पर आधारित है।

यह एक डांस ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें अभिषेक के किरदार का नाम शिव रस्तोगी होगा। वह इसमें एक ऐसे पिता बने हैं, जो अपनी बेटी की ख्वाहिशों को पूरा करने के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहता है।फिल्म की कहानी दर्शकों को खुश करने के साथ-साथ उन्हें भावुक कर देगी। एक अकेला पिता अपनी बेटी के सपने पूरे करने के लिए क्या कुछ करता है, फिल्म में उनकी इसी यात्रा को दिखाया जाएगा।

इस फिल्म में अभिषेक के अलावा अभिनेत्री नोरा फतेही भी एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं, वहीं जॉनी लीवर और हरलीन सेठी भी इसमें महत्वपूर्ण किरदार निभाते दिखेंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान रेमो ने संभाली है और इसके प्रोडक्शन की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है।बताया जा रहा है कि रेमो जल्द ही बाप-बेटी की एक खूबसूरत कहानी दर्शकों के बीच पेश करने वाले हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान नहीं हुआ है।

इनायत और अभिषेक दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों 2020 में आई फिल्म लूडो में साथ दिखे थे। अब 4 साल बाद अभिषेक और इनायत फिर साथ आ रहे हैं।फिल्म के पोस्टर ने दर्शकों की उत्सकुता बढ़ा दी है। दोनों एक डांस प्रस्तुति के लिए तैयार दिख रहे हैं।बता दें कि यह वही फिल्म है, जिसका नाम रेमो ने पहले डांसिंग डैड रखा था और सलमान खान फिल्म में काम करने वाले थे। (आरएनएस)

याददाश्त तेज करना है तो खाने में बैंगन को शामिल करें

अच्छी बात ये है कि अगर आप चाहें तो इस अपने घर में रखे गमले में भी उगा सकते हैं वो भी बहुत आसानी से बैंगन के फायदे हमेशा ही अनदेखे रहे हैं लेकिन जब आप इसके फायदे जानेंगे तो वाकई आश्चर्य में पड़ जाएंगे।

याददाश्त तेज करना

अगर आपको अपनी याददाश्त तेज करना है तो खाने में बैंगन को जरूर शामिल करें बैंगन में फाइटो न्यूट्रिएंट्स होते है जो सेल मेम्बरेन को नुकसान होने से बचाता है जो एक संदेशवाहक की तरह काम करता है।

वजन कम करने में

अगर आपका वजन ज्यादा है और आप उसे कम करने का प्रयास कर रहे हैं तो अपने भोजन में बैंगन को शामिल करना आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है दरअसल बैंगन में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है और फाइबर भरपूर होता है जो वजन कम करने में मदद करता है।

बैंगन में बहुत

हर महिला अपनी उम्र से कम दिखना चाहती है बैंगन; की मदद से आप अपनी उम्र से कम दिख सकती है बैंगन में बहुत सारे एंथोकायनिन होते हैं और ये एंटीऑक्सिडेंट एंटीएजिंग एजेंट के रूप में कार्य करते हैं।

दांत दर्द में बैंगन

बैंगन के इस्तेमाल दांत दर्द में दर्द निरोधक की तरह काम करता है इसके रस से दांतों के दर्द में आराम मिलता है साथ ही इसकी जड़ का इस्तेमाल अस्थमा की रोकथाम में भी किया जाता है।

बालों का झड़ना

बालों को झड़ने से रोकने के लिए हम कई महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते है लेकिन क्या आपको पता है कि बैंगन आपके बालों को झड़ने से बचा सकता है बैंगन में पाये जाने वाले एंजाइम आपके स्कैल्प को मजबूत बनाते है जिससे बालों का झड़ना काफी हद तक कम हो जाता है।

जिगरा से आलिया और वेदांग रैना की आई खूबसूरत तस्वीरें

जिगरा 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर यह फिल्म दशहरा के समय दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है।

फिल्म का टीजर ट्रेलर पहले ही रिलीज हो चुका है। जिससे फिल्म की स्टोरी लाइन पता चल चुकी है और इसने फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। जिगरा में लीड रोल प्ले करने वाले एक्ट्रेस एक्टर आलिया और वेदांग ने अपने-अपने सोशल मीडिया पर फूलों के साथ तस्वीरें शेयर कीं और फैंस को बताया कि जिगरा का ट्रेलर जल्द ही रिलीज किया जाएगा। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन लिखा- फूलों का तारा का सबका कहना है , जिगरा का ट्रेलर जल्द आ रहा है। जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने फिल्म का टीजर ट्रेलर रिलीज किया था। टीजर में आलिया अपने भाई (वेदांग) की प्रोटेक्टिव बहन के रूप में दिखाई दे रही हैं, जिसे पुलिस ने विदेश में गिरफ्तार कर लिया है। दर्शकों का एक्साइटमेंट बनाए रखने के लिए आलिया आए दिन फिल्म के पोस्टर शेयर या कुछ ना कुछ अपडेट शेयर करती रहती थी। अब फिल्म का टीजर ट्रेलर रिलीज हो गया है जिससे दर्शकों में फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। आलिया ने करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के साथ जिगरा को को-प्रोड्यूस भी किया है। जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अगर आप पैरो के दर्द से है परेशान, तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

टांगों में दर्द की शिकायत अक्सर ही लोग करते हैं। ये तकलीफ किसी भी उम्र के व्यक्ति को परेशान कर सकती है। इस दर्द की कई वजह हो सकती हैं। इनमें मांसपेशियों में अकड़न, शरीर में पानी की कमी, लम्बे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहना, पोषण की कमी और टांगों में कमजोरी होने जैसी कई और वजह भी शामिल हैं। कई बार ये दर्द इतना ज्यादा होता है जिसे बर्दाश्त करना मुश्किल हो जाता है। इस दर्द से राहत पाने के लिए आप इन घरेलू तरीकों को अपना सकते हैं।

1. बर्फ से सिकाई - टांगों के दर्द से राहत पाने के लिए आप बर्फ से सिकाई कर सकते हैं। इसके लिए आप एक सूती और मुलायम कपड़ा लेकर इसमें कुछ आइस क्यूब रख लें। फिर इससे करीब दस-पंद्रह मिनट तक टांगों की सिकाई करें। अगर आप चाहें तो बर्फ की जगह ठंडी पट्टी की मदद भी ले सकते हैं।

मसाज करें - टांगों के दर्द से राहत पाने के लिए आप रात को सोने से पहले अपनी टांगों की मसाज करें। आप इसके

लिए जैतून का या नारियल का तेल लेकर उसको हल्का गुनगुना कर लें। फिर इस तेल से टांगों की मसाज करें। अगर आपके दर्द की वजह मांसपेशियों की तकलीफ है, तो ये तरीका और भी जल्दी फायदा करेगा।

अदरक इस्तेमाल करें - अदरक को भी आप टांगों में दर्द से राहत पाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप पानी को गर्म करें और इसमें अदरक के कुछ स्लाइस डाल दें। फिर इस पानी में किसी कपड़े को डुबोकर इससे सिकाई करें। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण पाया जाता है, जो दर्द और सूजन को कम करने में मदद करता है।

नमक के पानी से सिकाई - सेंधा नमक का इस्तेमाल भी आप टांगों के दर्द से निजात पाने के लिए कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी बर्तन में पानी गर्म करके इसमें दो-तीन चम्मच सेंधा नमक मिला लें। फिर इस पानी में कपड़ा भिगोकर दर्द वाली जगह पर सिकाई करें। नमक में मैग्नीशियम पाया जाता है। जो नर्वस सिग्नल्स को कंट्रोल करके मसल्स के दर्द में नेचुरल तरीके से राहत पहुंचाता है।

रोजाना सुबह के समय करें ये एक्सरसाइज, मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

कई अध्ययनों में इस बात का जिक्र मिलता है कि सुबह के समय की गई एक्सरसाइज के कारण व्यक्ति खुद को तरोताजा और ऊर्जा से भरपूर महसूस करता है। वहीं, विशेषज्ञों के मानें तो सुबह के समय एक्सरसाइज करने से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी कई तरह के लाभ मिलते हैं। आइए आज हम आपको कुछ आसान मॉर्निंग एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जो आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकती हैं।

कैट कैमल स्ट्रेच एक्सरसाइज

इस एक्सरसाइज को करने के लिए सबसे पहले एक्सरसाइज मैट पर घुटनों को टेक के अपने दोनों हाथों को जमीन पर रख लें। अब सांस लेते हुए कमर को नीचे की ओर करें और गर्दन को ऊपर उठाएं। कुछ सेकंड इस अवस्था में बने रहें। इसके बाद सांस छोड़ते हुए रीढ़ को ऊपर करें और गर्दन को नीचे की ओर झुकाएं। एक से दो मिनट तक इस एक्सरसाइज को इसी तरह दोहराते रहें, फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

पैदल चलना

नियमित रूप से कुछ मिनट पार्क या फिर गलियों में पैदल चलना विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है। इससे आपकी हड्डियों में मजबूती और मांसपेशियों में लचीलापन आ सकता है। वहीं, हृदय को स्वस्थ रखने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी यह काफी मददगार है। अगर आप नियमित रूप से अपनी गति में वृद्धि करते है तो ही आपको अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि आप दौड़ना शुरू कर दें।

लंज एक्सरसाइज

सबसे पहले जमीन पर सीधे खड़े होकर अपने दाएं पैर को आगे बढ़ाएं और उसको घुटनों से मोड़ते हुए 90 डिग्री का कोण बनाएं। अब बायां पैर पीछे के ओर सीधा करें और दोनों पैरों के बीच में कम से कम दो-तीन फीट की दूरी कायम करें। कुछ सेकेंड इसी स्थिति में रहने के बाद खुद को ऊपर की ओर उछालें। इससे आप प्रारंभिक स्थिति में आ जाएंगे। इसे रेप्स कहते हैं। इसी तरह दोनों पैर से 12-15 रेप्स करें।

जंपिंग जैक एक्सरसाइज

जंपिंग जैक एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले जमीन पर सावधान मुद्रा में खड़े हो जाएं, फिर पैरों को अपने कूल्हों की चौड़ाई के बराबर खोलें। इसके बाद कूदें और इस दौरान अपने हाथों को अपने सिर के ऊपर ले जाते हुए मिलाएं, फिर से कूदें और अपनी बाजुओं को नीचे लाने के साथ ही पैरों को एक साथ चिपकाएं। कुछ सेकेंड के बाद आप अपनी प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं और इस क्रिया को बार-बार दोहराएं। (आरएनएस)

बच्चों के लिए खतरनाक है मोबाइल और लैपटॉप!

अगर आपका बच्चा भी मोबाइल, लैपटॉप, टैब के बिना कुछ देर भी नहीं रह पाता, तो सतर्क हो जाइए क्योंकि यह छोटी सी लापरवाही आपके और आपके बच्चे के लिए बड़ी मुसीबत ला सकती है। दरअसल अधिक स्क्रीन देखने के आदी हो चुके बच्चे अपनी उम्र के हिसाब से अधिक एग्रेसिव और चिड़चिड़ेपन के शिकार हो रहे हैं। यही नहीं, उनमें डिप्रेशन अनिद्रा जैसी मानसिक समस्याएं भी देखने को मिल रही है।

अधिक मोबाइल अथवा लैपटॉप के साथ समय बिताने की वजह से बच्चों की आंखों, गर्दन, सिर आदि में दर्द भी आम समस्या है। विशेषज्ञ यह भी मान रहे हैं कि अगर बच्चों की इस आदत में तुरंत सुधार नहीं किया गया तो आगे चल कर वह एंटीसोशल और एंटी सोशल भी हो सकते हैं। ऐसे में यहां आपको कुछ ऐसे उपाय बताए जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप अपने बच्चों की इस आदत से बाहर आने में मदद कर पाएंगे। बच्चे अपने माता पिता की परछाई होते हैं। उन्हें अपने पेरेंट्स की नकल करना बहुत ही अच्छा लगता है। ऐसा कहा जा सकता है कि बच्चे पहली बार मोबाइल या लैपटॉप को अपने पेरेंट्स की नकल करते करते ही उठाते हैं। ऐसे में काम के अलावा भी अगर आप मोबाइल में लगे रहते हैं तो सबसे पहले अपनी आदत बदलें। बच्चों के लिए वक्त निकालें और मोबाइल पर बिना मतलब समय बिताने की जगह बच्चों के साथ खेलें। तीन-चार साल के बच्चों को बचपन से ही अपने साथ छोटे मोटे काम में व्यस्त रखें। गमले में पानी डालना, डस्टिंग, कपड़े तह करना, उन्हें सही जगह पर रखना जैसे काम उन्हें बहुत ही पसंद आते हैं। उनकी गलतियों को एन्जॉय करें और उन्हें भी यह एहसास दिलाएं कि वह कितने हेल्पिंग हैं। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और वे आत्मनिर्भर भी बनेंगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है प्रून का जूस

हमारे शरीर को कई तरह के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जिन्हें हम अलग-अलग तरह के जूस के जरिए हासिल कर सकते हैंइन्हीं पौष्टिक जूस में से एक है प्रून का जूस, जिसे सूखे हुए आलूबुखारे से बनाया जाता है। इससे बने जूस को कब्ज के इलाज के लिए बेहद प्रभावी माना जाता है और यह हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। डाइट में प्रून का जूस शामिल करके आपको ये 5 मुख्य लाभ मिलेंगे।

कब्ज से दिलाता है निजात

कब्ज की समस्या के इलाज के लिए बच्चों और बड़ों दोनों को प्रून का जूस पीना चाहिए। यह एक तरह का लैक्सेटिव होता है, जो पाचन क्रिया को सुधार सकता हैइस जूस के सेवन से मल त्याग में आसानी होती है और पेट में होने वाली ऐंठन से छुटकारा मिल जाता है। प्रून के जूस में सोर्बिटोल, पेक्टिन और पॉलीफेनोल नामक तत्व होते हैं, जिनकी मदद से पेट साफ हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को करता है मजबूत

अगर आप अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाना चाहते हैं तो आज ही खान-पान में प्रून का जूस शामिल करेंइसमें मौजूद विटामिन-सी के कारण यह जूस प्रतिरक्षा प्रणाली को दुरुस्त करने में कामयाब हो पाता हैरोजाना यह जूस पीने से आप बीमारियों से लड़ सकेंगे और अपने शरीर को उनसे सुरक्षित भी रख सकेंगेप्रून के जूस में पाए जाने वाला तांबा और पौधों के यौगिक भी स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं।

ब्लड प्रेशर को करता है कम

प्रून के जूस में पोटैशियम मौजूद होता है, जो शरीर के ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने के लिए फायदेमंद साबित हो सकता हैएक अध्ययन में पाया गया था कि जो लोग रोज सुबह एक गिलास प्रून का जूस पीते हैं, उनमें पानी पीने वालों की तुलना में ब्लड प्रेशर का स्तर कम होता हैहालांकि, हृदय रोग या किडनी की बीमारियों से जूझ रहे लोगों को इस जूस का सेवन नहीं करना चाहिए।

हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

प्रून का खट्टा-मीठा जूस हमारी हड्डियों को प्राकृतिक तरीके से मजबूत बना सकता है। इसमें बोरोन नामक यौगिक पाया जाता है, जो ऑस्टियोपोरोसिस के इलाज में मदद कर सकता है।बता दें कि ऑस्टियोपोरोसिस एक ऐसी बीमारी है, जिसके कारण हड्डियां कमजोर हो जाती हैं या टूट जाती हैंकई अध्ययनों से पता चला है कि यह जूस हड्डियों के घनत्व को बनाए रखता है।जानिए ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी के कारण, लक्षण और इलाज के तरीके।

कोलेस्ट्रॉल घटाने में कारगर

धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमा होने से प्लाक बनता है, जो धमनियों की सिकुडऩ का कारण बन सकता है।अगर सही समय पर इसका उपचार न किया जाए, तो यह स्थिति हार्ट फेलियर, स्ट्रोक और दिल के दौरे का कारण बन सकती है।ऐसे में आप कोलेस्ट्रॉल को जमा होने से रोकने के लिए प्रून का जूस पीएं।कई अध्ययनों से खुलासा हुआ है कि यह जूस बुरे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रभावी तरीके से कम कर सकता है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 82

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

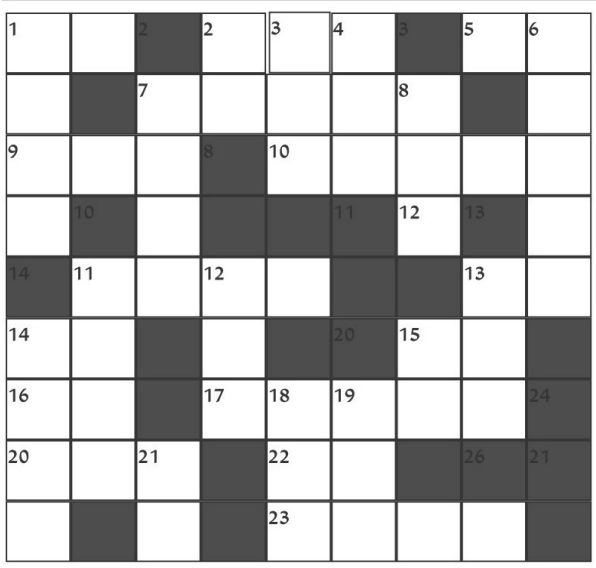

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 81 का हल

ग	ल	त	ज्ञ	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

प्रतिभा रांटा ने लापता लेडीज में मौका देने के लिए किरण राव को दिया धन्यवाद

कॉमेडी ड्रामा लापता लेडीज को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ऑस्कर 2025 के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुने जाने पर अभिनेत्री प्रतिभा रांटा ने फिल्म निर्माता किरण राव को मौका देने के लिए धन्यवाद दिया।

लापता लेडीज में जया की भूमिका निभाने वाली प्रतिभा ने इंस्टाग्राम पर अपने सह-कलाकारों स्पर्श और नितांशी गोयल के साथ फिल्म की कई तस्वीरें शेयर की।

इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा, कल का दिन जीवन के सबसे खास दिनों में से एक रहा। हमारी फिल्म 'लापता लेडीज' को ऑस्कर में भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुना गया है। किरण मैडम, आपके समर्थन और मुझे यह मौका देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। हमारी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। जश्न मनाना बंद नहीं कर सकते।

नितांशी ने भी अपनी फिल्म का जश्न मनाने के लिए किरण के साथ तस्वीरें शेयर की।

उन्होंने लिखा, फूल इंग्लिश में बताएं बहुत खुश और आभारी महसूस कर रही हूं

कि लापता लेडीज ऑस्कर 2025 के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री है, कलाकंद बनाने जा रही हूं आप सबके लिए।।आपकी फूल। 23 सितंबर को कॉमेडी ड्रामा लापता लेडीज को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ऑस्कर 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म श्रेणी में भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना और प्रस्तुत किया गया।

ऑस्कर मार्च 2025 में आयोजित होने वाला है। यह फिल्म 29 फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही थी, जिनमें एनिमल, किल, कल्कि 2898 ई।डी।, श्रीकांत, चंदू चैंपियन, जोरम, मैदान, सैम बहादुर, आर्टिकल 370, मलयालम फिल्म आट्टम और पायल कपाडिया की ऑल वी इमेजिन एज लाइट शामिल है।

असमिया निर्देशक जाह्नू बरुआ की अध्यक्षता में, 13 सदस्यीय चयन जूरी ने लापता लेडीज पर फैसला किया। इस फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन ने अभिनय किया है।

लापता लेडीज का निर्माण किरण राव, आमिर खान और ज्योति देशपांडे ने किया है।

लापता लेडीज को मार्च 2024 में रिलीज किया गया। इस फिल्म ने सिनेमाघरों में 100 से अधिक दिनों तक दर्शकों को आकर्षित किया। इसके बाद ओटीटी पर भी इसे दर्शकों का खूब प्यार मिला।

यह फिल्म दो दुल्हनों की कहानी पर आधारित है। यह स्लाइस-ऑफ-लाइफ कॉमेडी है। इस कहानी में एक ही ट्रेन में सफर कर रही दो दुल्हनें आपस में बदल जाती हैं। एक किसी दूसरे दूल्हे के साथ उसके घर चली जाती है, वहीं एक रेलवे स्टेशन पर ही रुककर अपने पति का इंतजार करती है।

यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई हैइसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है। इसकी कहानी और संवाद स्नेहा देसाई ने लिखे हैं, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा ने लिखे हैं। (आरएनएस)

नवरात्रि पर आयुष्मान-पश्मीना बिखेरेंगे गरबे का रंग, जचदी का पोस्टर किया रिलीज

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और पश्मीना रोशन का गरबा गीत जचदी का पोस्टर सोशल मीडिया शेयर किया गया है। यह अपकमिंग गाना नवरात्रि के जश्न को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। इस गाने को आयुष्मान ने अपनी आवाज दी है। इस गाने में नजर आने वाली पश्मीना ने इस साल की शुरुआत में निपुण धर्माधिकारी की फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड से अपना डेब्यू किया था।

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना ने इस पोस्टर को इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- इस नवरात्र को और खास बनाने के लिए जचदी लेकर आ रहा हूं। यह गाना 27 सितंबर को रिलीज होगा। इसमें पश्मीना रोशन नजर आएंगी, एक्टर ने इस पोस्ट को जचदी , म्यूजिक ,कमिंगसून और स्टेट्यून्ड जैसे हैशटैग के साथ पोस्ट किया। यह पहली बार नहीं है जब आयुष्मान ने अपने किसी गाने को अपनी आवाज दी है। 40 वर्षीय एक्टर ने ने पानी दा, साड्डी गली, ओ हीरिए, इक वारी, ओ स्वीटी स्वीटी, मिट्टी दी खुशबू और रातां कलियां जैसे कई ट्रैक गाए हैं। पोस्टर में आयुष्मान और पश्मीना रंग-बिरंगे परिधानों में हैं जो पूरी तरह से गरबे की वाइब दे रहे हैं। पोस्टर में उनकी केमिस्ट्री को देखकर ऐसा लगता है कि गाने में रोमांस भी है। वर्कफ्रंट की बात करें तो आयुष्मान पिछली बार ड्रीम गर्ल 2 में दिखे थे जो 2023 में रिलीज हुई थी। जिसमें उनके अपोजिट अनन्या पांडे ने स्क्रीन शेयर की थी। इस फिल्म में उनके साथ मनोज सिंह, विजय राज, अन्नू कपूर जैसे कलाकार थे। दूसरी ओर पश्मीना रोशन ने इश्क विश्क रीबाउंस से अपना डेब्यू किया है जिसमें उनके साथ रोहित सराफ, जिब्रान खान और नायला अग्रवाल जैसे कलाकार लीड रोल में थे।(आरएनएस)

ब्लू डेनिम आउटफिट में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने मचाया धमाल

एक्ट्रेस निक्की तंबोली आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपनी बोल्ड और हॉट ड्रेसिंग सेंस से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तबाही मचा देता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।

निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान स्टाइलिश डेनिम आउटफिट पहना हुआ था, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस हमेशा लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

बालों को कर्ली स्टाइल में ओपन कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरती से निखारा है। उनका

कातिलाना अंदाज देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।

बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। एक्ट्रेस जब भी अपनी पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर करती है तो वो जल्दी ही वायरल होने लगती है।

रिलीज से पहले कमल हासन की ठग लाइफ ने की 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई

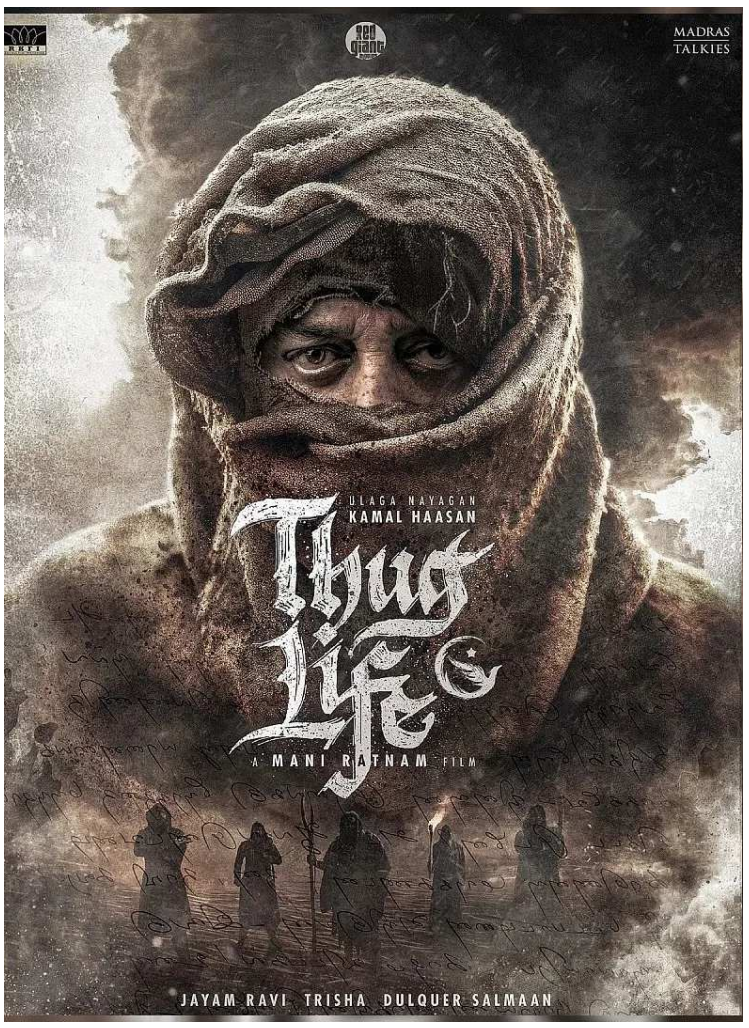

साउथ सुपरस्टार कमल हासन की आने वाली फिल्म का नाम ठग लाइफ है। इन दिनों कमल हासन उसी की शूटिंग में व्यस्त हैं और ये फिल्म इसी साल नवंबर या दिसंबर में रिलीज हो सकती है। फिलहाल ठग लाइफ कब रिलीज होगी ये तो नहीं पता लेकिन इस फिल्म ने रिलीज से पहले एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया है, ऐसी खबरें खूब सुर्खियों में है।

जी हां, कमल हासन की आने वाली फिल्म ठग लाइफ के डिजिटल राइट्स की कीमत बहुत ज्यादा है जिसे अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड माना जा रहा है। चलिए ठग लाइफ के डिटिजल राइट्स की कीमत पर डिटेल्स में बताते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कमल हासन की आने वाली फिल्म ठग लाइफ की ओटीटी डील पक्की हो गई है। फिल्म के ओटीटी राइट्स 149।7 करोड़ में बिके हैं और ये रिकॉर्ड ब्रेकिंग डील है जब किसी तमिल फिल्म की ओटीटी राइट्स के लिए इतनी बड़ी डील लॉक हुई है। अभी ये बात साफ नहीं है कि फिल्म किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी लेकिन फैंस इसके लिए एक्साइटेड हैं। ठग लाइफ की रिलीज डेट भी अभी सामने नहीं आई है और इसके कंफर्मेशन के लिए अभी आपको इंतजार करना होगा। मणि रत्नम के निर्देशन में बन रही फिल्म ठग लाइफ को राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, रेड गेंट मूवीज और मद्रास टॉकीज बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म में ए आर रहमान का म्यूजिक होगा और लीड एक्टर कमल हासन हैं। फिल्म ठग लाइफ में कमल हासन के अलावा ऐश्वर्या लक्ष्मी, त्रिषा कृष्णन, जयम रवि, पंकज त्रिपाठी, जोजू जॉर्ज और सलमान दुलकीर जैसे कलाकार नजर आएंगे।बता दें, कमल हासन की पिछली रिलीज फिल्म इंडियन 2 बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन उनकी एक और फिल्म कल्कि 2898 एडी भी इसी साल आई जो सुपरहिट रही। इस फिल्म में कमल हासन का निगेटिव रोल था लेकिन उनके काम की हमेशा की तरह तारीफ हुई। (आरएनएस)

कांग्रेस को बर्बाद करने की बकायदा कॉन्ट्रैक्ट!

मनु श्रीवत्स

कांग्रेस जिस अंदाज से चुनाव मैदान में उतरी उसे देखते हुए तो यही माना जा सकता है कि बहुत ही 'खूबसूरती' के साथ उसके साथ एक ऐसा 'खेला' हो चुका है कि अब कोई बड़ा 'चमत्कार' ही उसे चुनाव परिणामों में सम्मानजनक स्थान दिला सकता है। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस ने एक नही कई सारे 'सेल्फ गोल' एक साथ कर लिए हैं। कोई माने या न माने चुनाव में पार्टी बुरी तरह से पिछड़ती नजर आ रही है।

जिस अनमने ढंग से कांग्रेस जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ रही है उसे देखते हुए ऐसा लगता है मानों किसी ने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस को बर्बाद करने की बकायदा 'सुपारी' ले रखी हो ? कांग्रेस जिस अंदाज से चुनाव मैदान में उतरी है उसे देखते हुए तो यही माना जा सकता है कि बहुत ही 'खूबसूरती' के साथ उसके साथ एक ऐसा 'खेला' हो चुका है कि अब कोई बड़ा 'चमत्कार' ही उसे चुनाव परिणामों में सम्मानजनक स्थान दिला सकता है। कांग्रेस के साथ किस किसने 'खेल' खेला, यह तो समय के साथ साफ होता चला जाएगा लेकिन भीतरघात के कुछ संकेत तो अभी से ही दिखाई दे रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस ने एक नही कई सारे 'सेल्फ गोल' एक साथ कर लिए हैं। कोई माने या न माने चुनाव में पार्टी बुरी तरह से पिछड़ती नजर आ रही है।

दस वर्षों बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। मगर कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को देखकर लगता है जैसे उसे हल्का सा भी आभास नहीं था कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। जिस दिन निर्वाचन आयोग ने चुनाव घोषित किए ठीक उसी दिन कांग्रेस ने अपना प्रदेश अध्यक्ष बदलकर अपनी 'तैयारियों' का पहला प्रमाण दे दिया था। पार्टी ने वकार रसूल वानी की जगह तारीक हमीद कर्रा को नया अध्यक्ष बना दिया। वानी को अगस्त-2022 में उस समय प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया था जब गुलाम नबी आज़ाद के साथ बड़ी संख्या में लोग पार्टी छोड़ रहे थे। वानी को आज़ाद का खास आदमी माना जाता था मगर वानी ने उस संकट के समय पार्टी नही छोड़ी और आज़ाद के कारण टूट रही पार्टी को संभालने का पूरा प्रयास किया।

लेकिन विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अचानक वानी को बदलने का फैसला लेकर कांग्रेस ने उनकी दो साल की कोशिशों पर तो पानी फेरा ही, साथ ही साथ यह संदेश भी दे दिया कि पार्टी के लिए वफादार बने रहने का कोई मतलब नही है। कांग्रेस ने नया अध्यक्ष बनाया भी तो ऐसे व्यक्ति को बनाया जो कभी भी खुद को एक कांग्रेसी के रूप में ढाल ही नही सका है। गौरतलब है कि नवनियुक्त अध्यक्ष तारीक हमीद कर्रा पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) छोडक़र कांग्रेस में आए थे। लेकिन कांग्रेस में आने के बाद भी बहुत अधिक सक्रिय कभी भी नही रहे हैं।

किसी मुद्दे पर बोलते भी कर्रा कभी नजर नही आए हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी उपस्थिति बहुत कम रही है। सच्चाई यह है कि कर्रा को प्रदेश की राजनीति में कोई बहुत बड़ा नाम नही माना जाता है। कर्रा को एकाएक अध्यक्ष बनाए जाने से कांग्रेस को कोई बहुत बड़ा राजनीतिक लाभ मिलने वाला तो कतई नही था। फिर भी उन्हें अध्यक्ष बनाया जाना हैरान करने वाला फैसला था।

पूरी प्रदेश कांग्रेस, विशेषकर जम्मू संभाग की इकाई के लिए कर्रा बिलकुल नए हैं। उनका पार्टी नेताओं तक से संपर्क भी बहुत कम रहा है। अध्यक्ष बनने के बाद अभी तक सिर्फ दो बार कर्रा जम्मू आ सके हैं। किसी भी जिले का अभी तक कर्रा दौरा तक नही कर सके हैं। कर्रा खुद भी चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में क्या वे अध्यक्ष के रूप में मिली ज़िम्मेदारी से न्याय कर सकते हैं ?

दिलचस्प तथ्य यह है कि प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति का लगभग हर बड़ा नेता चुनाव लड़ रहा है। कर्रा के अतिरिक्त दोनों कार्यकारी अध्यक्ष भी अपना-अपना चुनाव लडने में व्यस्त हैं। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस ने गलतियों पर गलतियां की हैं। एक और बड़ी गलती कांग्रेस ने नए प्रदेश अध्यक्ष के साथ दो कार्यकारी अध्यक्ष बना कर कर दी। रमण भल्ला पहले से ही कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे थे मगर उनके साथ तारा चंद को भी कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया गया। दोनों एक ही ज़िले से संबंध रखते हैं।

ताराचंद अगस्त 2022 में पार्टी छोडक़र गुलाम नबी आज़ाद के साथ चले गए थे। बाद में दिसंबर 2022 में उन्होंने पार्टी में वापसी कर ली। सवाल उठता है कि पार्टी छोड़ देने वाले व्यक्ति को आखिर क्या सोच कर कांग्रेस ने कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया। उन्हें इनाम दिया गया या कोई अन्य बड़ी 'मजबूरी' थी। प्रदेश में 2009 से 2015 तक रही कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस सरकार में ताराचंद उप-मुख्यमंत्री थे। उस दौरान उन पर कई बार कई गंभीर आरोप लगे, जिनका जवाब देने में कांग्रेस को बहुत मुश्किल हुआ करती थी। लेकिन बावजूद इस सबके ताराचंद को कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया जाना कांग्रेस की अस्पष्ट नीतियों का एक बड़ा प्रमाण है। कांग्रेस का कहना है कि ताराचंद को अनुसूचित जातियों का नेता होने के नाते कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। मगर यहां भी सवाल उठता है कि अगर ऐसा करना था तो फिर मूलाराम को क्यों नही कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया? मूलाराम वरिष्ठ भी हैं और पार्टी के प्रति लगातार वफ़ादार भी रहे हैं।

यही नही कांग्रेस ने गुलाम नबी आज़ाद के साथ जाने वाले नेताओं के लिए भी दोहरी नीति अपनाई। जो नेता दिसंबर 2022 में आज़ाद को छोडक़र वापस कांग्रेस में लौट आए थे उन्हें कांग्रेस ने खुशी-खुशी गले लगा लिया। ताराचंद भी उनमें से एक थे और किसी समय आज़ाद के सबसे करीबी नेता माने जाते थे। ताराचंद सहित जो लोग दिसंबर 2022 में वापस आए थे उनमें से कई को इस बार कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार भी बनाया है।

लेकिन गुलाम नबी आज़ाद के साथ पार्टी छोड़ कर जाने वाले जो नेता विधानसभा चुनाव के समय वापसी करना चाहते थे मगर उनके लिए दरवाज़े बंद कर दिए गए।

इन नेताओं में गुलाम मोहम्मद सरूरी, मजीद वानी और जुगल किशोर शर्मा प्रमुख हैं। सरूरी इंद्रवाल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ते रहे हैं और लगातार जीतते रहे हैं। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें यह कह कर टिकट नहीं दी कि वे आज़ाद के साथ चले गए गए थे। सरूरी अब स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

इंद्रवाल की तरह ही कांग्रेस ने कटड़ा-माता वैष्णोदेवी से भी टिकट देने में सिर्फ जुगल किशोर को इसलिए मना कर दिया क्योंकि जुगल किशोर शर्मा भी गुलाम नबी आज़ाद के साथ चले गए थे।

जुगल किशोर शर्मा 2002 से 2008 तक रही कांग्रेस-पीडीपी सरकार में केबिनेट मंत्री रह चुके हैं। कटड़ा-वैष्णोदेवी सीट से जुगल किशोर शर्मा एक सशक्त उम्मीदवार साबित हो सकते थे। मगर कांग्रेस ने अंतिम समय पर उन्हें अपना उम्मीदवार बनाने से मना कर दिया। यही नही कांग्रेस ने कटड़ा-वैष्णोदेवी सीट से राजपूत प्रत्याशी मैदान में उतारा है जबकि यह एक ब्राह्मण बहुलता वाला इलाका है। जुगल किशोर शर्मा बगल की रियासी सीट से भी टिकट के इच्छुक थे मगर यहां से भी कांग्रेस नही मानी और उन्हें टिकट नही दी।

उल्लेखनीय है कि कटड़ा-वैष्णोदेवी परिसीमन में नई सीट बनाई गई है। पहले यह क्षेत्र रियासी विधानसभा क्षेत्र का ही एक हिस्सा था।

कांग्रेस ने जुगल किशोर शर्मा को मना करते समय एक और गलती यह कर दी कि रियासी जैसी हिन्दू बहुल सीट पर एक मुस्लिम प्रत्याशी को उतार दिया। यह फैसला भी कई कारणों से घातक ही साबित होने वाला है। ध्रुवीकरण का लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिलना तय है

जिस ढंग से कांग्रेस में सीटों का बंटवारा हुआ है उससे साफ तौर पर आशंका है कि 2014 की पुनरावृत्ति हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो निश्चित रूप से कांग्रेस के लिए यह स्थिति बेहद असहज हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि 2014 में कांग्रेस ने कुल 12 सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन इन 12 विधायकों में एक भी हिन्दू नहीं था। तमाम हिन्दू बहुल सीटों पर कांग्रेस को ज़बरदस्त हार का सामना करना पड़ा था।

दरअसल कांग्रेस की समस्या यह है कि पार्टी जबरदस्त असमंजसता का शिकार है। ऐसा प्रतीत होता है कि उसे मालूम ही नही है कि उसे करना क्या है। वर्तमान राजनीति में अगर उसे मजबूती के साथ मैदान में टिके रहना है तो कांग्रेस को मौजूदा समय की राजनीति के नियम मानने पड़ेंगे। उन्हीं नियमों के अनुसार ही राजनीति करनी भी होगी।

लेकिन अगर कांग्रेस को नैतिकतावादी और आदर्शवादी दिखते हुए राजनीति करनी है तो उसे अपने कार्यकर्ताओं को भी समझाना होगा कि सत्ता प्राप्ति उसका लक्ष्य नही है और वह राजनीति में मात्र शुचिता के लिए संघर्षरत है। मगर व्यवहारिक राजनीति में क्या ऐसा संभव है? क्या कार्यकर्ता ऐसी बौधिक बातें स्वीकार कर सकते हैं? कांग्रेस को भूलना नही चाहिए कि एस्ट्रो टर्फ के ज़माने में घास पर हॉकी नहीं खेली जा सकती।

नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन का भी बहुत अधिक फायदा होता दिखाई नही दे रहा है। गठबंधन की वजह से कांग्रेस को नुक्सान ही उठाना पड़ रहा है, विशेषकर जम्मू संभाग में तो कांग्रेस की नेशनल कांफ्रेस के साथ चुनाव पूर्व की दोस्ती भारी पड़ रही है। दरअसल यह गठबंधन बहुत ही अजीब तरह का गठबंधन साबित हो रहा है। गठबंधन का नक्शा ऐसा बना है जिससे पता चलता है कि कांग्रेस ने पर्याप्त 'होम वर्क' किए बिना नेशनल कांफ्रेंस से हाथ मिला लिया। कांग्रेस ने बड़ा दिल दिखाते हुए बेशक अपनी तरफ से तालमेल तो किया है, मगर नेशनल कांफ्रेंस ने उसके साथ दरियादिली नही दिखाई है।

कुछ सीटों पर 'दोस्ताना' मुकाबला है जबकि कुछ ऐसी सीटें कांग्रेस ने नेशनल कांफ्रेंस के लिए छोड़ दी हैं जिन पर आसानी से कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन कर सकती थी। बनिहाल विधानसभा सीट का मामला बेहद दिलचस्प है। यहां से कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वकार रसूल वानी चुनाव लड़ रहे हैं। यह सीट कांग्रेस जीत सकने की पूरी-पूरी स्थिति में है मगर नेशनल कांफ्रेंस ने कांग्रेस की इस मज़बूत सीट पर अपना उम्मीदवार खड़ा कर दिया है और उमर अब्दुल्ला खुद यहां प्रचार करने पहुंच रहे हैं। यही नही उमर वकार रसूल वानी पर तीखे हमले कर रहे हैं। ज़मीनी हालात तो यही बताते हैं कि कम से कम बनिहाल का मामला तो 'दोस्ताना' नही है।

इसी तरह से जम्मू नगर की जम्मू उत्तरी सीट को भी जिस तरह से कांग्रेस ने नेशनल कांफ्रेंस के लिए छोड़ दिया है उससे भी राजनीतिक पंड़ित हैरान हैं। जम्मू नगर के बगल की सीट नगरोटा का मामला तो और भी अनोखा है। यहां कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस ने अपने-अपने प्रत्याशी उतारे हैं और दोनों के 'दोस्ताने' का सीधा-सीधा लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिल रहा है।

इस सीट पर जिस तरह कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस ने बेहद कमजोर प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं उससे भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार देवेंद्र सिंह राणा का रास्ता बेहद आसान बना दिया गया है। राणा केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के भाई हैं और प्रदेश के ताकतवर नेताओं में गिने जाते हैं। बड़ा सवाल बनता है कि आखिर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस ने नगरोटा सीट पर मजबूत प्रत्याशी क्यों नही उतारे? दोनों को इस सीट पर अलग-अलग उम्मीदवार उतारने की क्या मजबूरी थी ? यहां पर 'दोस्ताने' की आड़ में किसको फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई ?

कांग्रेस ने जातीय समीकरण भी ठीक ढंग से नही साधे है। अन्य लर्गों के मुकाबले राजपूत उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी गई। ब्राह्मण समुदाय को टिकट बंटवारे में पूरी तरह से नजऱअंदाज किया गया है। संसाधनों की कमी का भी पार्टी को सामना करना पड़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी के मुकाबले पार्टी का प्रचार तंत्र भी बेहद कमजोर है। सोशल मीडिया मंचों पर भी पार्टी बुरी तरह से पिछड़ रही है। ***(ये लेखक के अपने विचार हैं)***

सू- दोकू क्र. 82

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.81 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भू कानूनः आर्य ने उठाये सरकार की मंशा पर सवाल

विशेष संवाददाता

हल्द्वानी। नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने भू कानून लाने की सरकार की घोषणा पर कई सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार की मशां साफ नही है उन्होंने कहा कि अगर सरकार द्वारा प्रदेश में नया भू कानून लाया जा रहा है तो सरकार लाये, इसके लिए विशेष सत्र भी बुलाया जा सकता है। सरकार बजट सत्र में ही भू कानून लाने की बात क्यों कह रही है बजट सत्र तो एक साल बाद किया जाना है।

उन्होंने कहा कि सरकार का कहना है कि उसने भू कानून के लिए समिति बनाई है अगर सरकार के पास समिति की रिपोर्ट है तो सरकार को उस रिपोर्ट को जनता के सामने रखना चाहिए। जिससे यह तो पता चल सकेगा कि इस नए कानून में क्या कुछ ऐसा विशेष है। उन्होंने कहा कि अगर उसमें कुछ खामियां होती है तो उसमें संशोधन किया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार इसकी जांच करा रही है कि जिसने भी जिस प्रयोजन के लिए जमीन खरीदी है उसका उपयोग उस प्रयोजन के लिए हो भी रहा है या नहीं। आर्य ने कहा कि क्या मुख्यमंत्री धामी उद्योग घरानों और नेताओं को दी गई जमीनों को भी वापस लेगी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर सरकार की मंशा ठीक नहीं है। वास्तविकता यही है कि वह इस मुद्दे को लटकाए रखने के लिए रास्ते तलाश रही है। समिति की रिपोर्ट और जमीनों की जांच के नाम पर वह इसे लंबित रखना चाहती है। उन्होंने एनडी तिवारी के कार्यकाल में लाये गए भू कानून को सही बताते हुए कहा कि भाजपा सरकारों ने इसमें संशोधन के जरिए बदलाव किया उसका नतीजा अब प्रदेश के लोगों को भोगना पड़ रहा है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री और उनकी सरकार बुरी तरह फंस चुकी है आंदोलन के कारण मुख्यमंत्री अपने बचाव में सख्त भू कानून लाने की बात कर रहे हैं।

❑नेता विपक्ष ने की समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग, क्या औद्योगिक घरानों व नेताओं की जमीन वापस लेगी सरकार, एक साल बाद कानून लाने की बात क्यों कर रहे हैं मुख्यमंत्री

गाडी लगने पर युवक को मारपीट कर किया घायल, मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। गाडी लगने पर युवक के साथ मारपीट कर घायल करने पर पुलिस ने अज्ञात लोगां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोल्हूखेत झडीपानी निवासी विरेन्द्र सिंह ने मसूरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके बडे भाई रूपेन्द्र सिंह अपनी दुकान कोलहूखेत मैगी प्वाइंट से देहरादून की ओर जा रहा था लगभग 200 मी. आगे पहुँचते ही उसके भाई के द्वारा टॉयलेट करने के लिये गाड़ी को साइड पर रोक दिया गया टॉयलेट करने के बाद जैसे ही वह गाड़ी में बैठा तो अचानक पिछे से एक सफेद रंग की स्कार्पिया तेज रफ्तार मे उसके भाई की कार को पीछे से टक्की मारता है गाड़ी लगने पर जैसे ही उसके भाई द्वारा गाड़ी मारने वाले व्यक्ति से बात की गई तो उनकी आपस मे कहासुनी हो गई जिससे वह पाँच से छः अज्ञात व्यक्तियो द्वारा पत्थर से उसके भाई के चेहरे और सर पर वार करने लगे जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया और उसके भाई के साथ वाले व्यक्ति के साथ भी मारपीट की गयी और हमलावर मौके से फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सर्राफा व्यापारी से तमंचे के बल पर लूट...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मौके से फरार हो गया था। शातिर बदमाश दिलशाद और साजिद उर्फ कल्लन के विरुद्ध थाना टाण्डा, कठघर, मुरादाबाद, ठाकुरद्वारा, बाजपुर में लूट, डकैती, चोरी व गैंगस्टर के दर्जनो मुकदमे दर्ज है व आरोपी इरफान के विरुद्ध थाना ठाकुरद्वारा में गोकशी, व गैंगस्टर के मुकदमे दर्ज है।

साईबर ठगों को फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

इन्वेस्ट किये तो बताया कि मैनेजमेंट के द्वारा लिमिट मिनिमम 50 हजार रूपये कर दिये हैं जिस पर उसके द्वारा और 25 हजार रुपये उनके बताये गये खाते में इन्वेस्ट हेतु जमा कर दिये गये किन्तु उनके द्वारा पुनः पॉलिसी बदलने की बात कहकर और एक लाख रुपया जमा करने को कहा गया। शक होने पर जब उसके द्वारा साइबर क्राईम को रिपोर्ट करने की बात कही तो उसका नम्बर ब्लॉक कर दिया गया। मामले में साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी गयी तथा घटना में प्रयुक्त बैंक खातों/मोबाइल नम्बरों को खंगाला गया। जिस पर पता चला कि इस कांड के मास्टर मांइड द्वारा सरकारी स्कीम के तहत कप का सेट देने की बात कहकर लोगों के आधार कार्ड, फोटो व एक मशीन पर अंगूठे का निशान लिया था व उन्हें धोखे में रखकर उनकी आईडी पर सिम कार्ड निकलवाया गया है। जिस पर मास्टर माइंड की तलाश शुरू की गयी। जिसे साइबर थाना पुलिस ने हरिद्वार के मंगलौर से गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 1816 सिम कार्डस, दो चैक बुक, 5 मोबाइल व 2 बायोमैट्रिक डिवाइस बरामद हुई। एसटीएफ द्वारा मोबाइल नंबरों का विश्लेषण करने के लिए आई4सी, गृह मंत्रालय के साथ समन्वय किया और पूरे भारत में कई आपराधिक शिकायतें मिलीं और उसके द्वारा इन सिम कार्ड को विदेशों में भी साइबर ठगो को भेजा गया है।

यमुनोत्री में गंगा विचार मंच और जिला गंगा समिति ने चलाया वृहद स्वछता अभियान

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

उत्तरकाशी। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत जलशक्ति मंत्रालय के कार्यक्रम स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा में स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता थीम के साथ मां गंगा जी के बहाव वाले पांच राज्यों उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में स्वछता अभियान चलाया जा रहा है। इसी के साथ-साथ मां यमुना के धाम यमुनोत्री से लेकर यमुना जी के बहाव वाले राज्य, शहरों कस्बों में भी यमुना जी के तटों पर भी स्वछता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत मां यमुना जी के उदगम यमुनोत्री में 30 सितंबर को वृहद स्वछता अभियान अभियान चलाया गया। आज के स्वछता अभियान में उपस्थित कर्मचारियों और मंदिर समिति के लोगों को यमुना की स्वछता की शपथ दिलवाई गई। यमुना और गंगा के इस स्वछता के इस महत्वपूर्ण अभियान में जिला गंगा समिति, यमुनोत्री मंदिर समिति, जिला पंचायत उत्तरकाशी, वन विभाग, पुलिस विभाग, यमुनोत्री तीर्थ में लगे सुरक्षा कर्मचारी,और स्वयं सेवी संस्थाओं के कार्यकर्ता, अधिकारी कर्मचारीयों ने हिस्सा लिया।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के बाद नमामि गंगे योजना में अब माँ गँगा जी के साथ साथ अब मां यमुना जी को भी जोड़ दिया गया है। माँ गंगा के धाम गंगोत्री की ही तरह मां यमुना जी के धाम यमुनोत्री में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु माँ यमुना जी में वस्त्र आदि प्रवाहित कर माँ यमुना को भी उसके ही उदगम में मैला करने का काम कर रहे हैं। मां गंगा जी के उदगम गंगोत्री में भी महिला श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी भारी मात्रा में मां गंगा जी की जलधारा में नए वस्त्र, श्रृंगार भेंट किया जाता है। ठीक इसी तरह की समस्या से यमुनोत्री धाम को भी इस समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। माँ यमुना और मां गंगा में श्रद्धालुओं द्वारा प्रवाहित किये वस्त्रों, पूजा व श्रृंगार सामग्री से मां यमुना व मां गंगा खुश नहीं अपितु व्यथित ही होती हैं। गँगा विचार मंच गंगोत्री में श्रद्धालुओं व तीर्थयात्रियों व लोगो से अपील करता है कि माँ यमुना हो या फिर मां गँगा या देश की कोई भी दूसरी नदी में किसी भी तरह को पूजा श्रृंगार सामग्री, खासकर वस्त्र आदि साड़ी धोती व कपड़े प्रवाहित न करें।

यमुनोत्री धाम में आज के स्वछता अभियान में नायब तहसीलदार अवनीत देव, यमुनोत्री मंदिर समिति के सचिव रावल सुरेश उनियाल, सह सचिव रावल विपिन उनियाल, रावल मनोहर उनियाल, पीआरडी के जवान, होमगार्ड के जवान, वन प्रभाग बड़कोट के अधिकारी कर्मचारियों, पुलिस प्रशासन के सुरक्षा बलों वा सफाई कर्मचारियों और यमुनोत्री धाम के पटवारी महेश नौटियाल, जिला पंचायत उत्तरकाशी से सह यात्रा प्रभारी दिनेश नौटियाल, गंगा विचार मंच के कमला बिष्ट आदि ने हिस्सा लिया।

एसएसपी ने दो चौकियों का किया देर रात निरीक्षण

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने जनपद की दो चौकियों का देर रात औचक निरीक्षण किया। जिसके बाद उन्होने चौकी प्रभारियों व पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंह नगर ने आधी रात को समय करीब 12. 30 बजे चौकी बगवाड़ा रुद्रपुर तथा समय करीब 1. 30 बजे चौकी सिडकुल सितारगंज पहुंचकर आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिसके बाद उन्होने अपराध पर अंकुश लगाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए हुए कहा कि कार्यों के

प्रति लापरवाही बिल्कुल भी बर्दास्त नही की जाएगी।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उध मसिंह नगर ने चौकी इंचार्ज को संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग और वाहनों की चेकिंग, रात्रि गस्त व पिकेट को प्रभावी बनाने, चौकी परिसर में साफ सफाई रखने, लंबित विवेचनाओं के त्वरित निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस के अवमानीय व्यवहार से महिला पंचायत सदस्य आक्रोशित

संवाददाता

देहरादून। ग्राम प्रधान संगठन की प्रदेश प्रवक्ता पुष्पा रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास कूच के दौरान पुलिस द्वारा महिलाओं के साथ अभद्रता की गयी जिसमें दोषी पुलिस कर्मियों को सस्पेंड किया जाये।

आज यहां ग्राम प्रधान संगठन की प्रदेश प्रवक्ता पुष्पा रावत ने शनिवार को देहरादून में महिला पंचायत प्रतिनिधियों के साथ पुलिस द्वारा किए गए अवमानीय व्यवहार की न्यायिक जांच किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि पुरुष पुलिस ने महिलाओं के कपड़े फाड़ दिए और आंदोलन का नेतृत्व मुख्यमंत्री को रविवार को गुलदस्ता भेंट कर रहा है। इस बात को लेकर उत्तराखंड के महिला पंचायत प्रतिनिधियों में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने घटना की न्यायिक जांच करने तथा दोषी पुलिस जवानों तथा अधि कारियों को तत्काल सस्पेंड किए जाने की मांग भी उठाई। संगठन के प्रदेश प्रवक्ता पुष्पा रावत ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि शनिवार को मुख्यमंत्री आवास कूच के दौरान पुलिस के पुलिस

दोषी पुरुष पुलिस को सस्पेंड किया जायेः पुष्पा रावत

जवानों ने पहले पंचायत प्रतिनिधियों के कपड़े तक फाड़ दिए। महिलाओं का खुले आम अपमान किया गया। महिलाओं को रानी पोखरी थाने में बंद तक किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस की इस कार्यवाही के समय आंदोलन का वर्तमान नेतृत्व चुपचाप बैठ रहा। उन्होंने कहा कि महिला पुलिस जवानों को पीछे कर पुरुष पुलिस जवानों ने महिलाओं के साथ जो हरकत किया है। संगठन उसकी निंदा करता है। उन्होंने ईमेल से मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर इस कृत्य के लिए दोषी पुलिस जवानों के साथ पुलिस अधि कारियों को निलंबित किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि आंदोलन के कमजोर नेतृत्व ने पुलिस प्रशासन के सम्मुख घुटने टेक दिए है। शनिवार को महिला पंचायत प्रतिनिधियों के साथ देहरादून की सड़कों में इस प्रकार का अत्याचार होता है और रविवार को गुलदस्ता मुख्यमंत्री को दिया जाता है। इसने महिला पंचायत प्रतिनिधियों के घावो में नमक छिड़क दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अगर मुख्यमंत्री ने दोषी पुलिस जवानों तथा पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड नहीं किया तो मुख्यमंत्री का उत्तराखंड को राज्य के हर क्षेत्र में विरोध किया जाएगा और उन्हें काले झंडे दिखाए जाएंगे।

एक नजर

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने तिरुमाला मंदिर में परिवार के साथ की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली । भारत के मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपनी पत्नी कल्पना दास और परिवार के बाकी लोगों के साथ रविवार सुबह तिरुमाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की पूजा-अर्चना की । टीटीडी के अधिकारियों ने मंदिर में उनका स्वागत किया। इसके बाद में रंगनायकुला मंडपम में मंदिर के पुजारियों और वेद पंडितों ने सीजेआई परिवार को वेदसर्वचनम दिया और तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के कार्यकारी अधिकारी ने मंदिर के तीर्थ प्रसादम और भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की एक फोटो मोमेंटो भी उन्हें उपहार में दिया। इससे पहले शनिवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने तिरुचनूर में श्री पद्मावती अम्मावरु मंदिर में भी पूजा-अर्चना की थी। बता दें कि आंध्र प्रदेश सरकार का दावा है कि जिस घी से लड्डू तैयार किए जाते हैं, उसमें मिलावट पाई गई। ये मिलावट पिछली सरकार के दौरान दिए गए घी के ठेके के चलते हुई। इसको लेकर मंदिर समिति तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने कहा था कि जिस ब्लैक लिस्टेड सप्लायर के घी में मिलावट मिली है, उसे पूर्व की जगन मोहन सरकार के दौरान ठेका दिया गया था। इन आरोपों पर केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश सरकार से रिपोर्ट मांगी है। सुप्रीम कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट तक अर्जियां दी जा रही हैं। दूसरी ओर राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप भी जारी हैं। बीजेपी नेता ने दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग कर रहे हैं।

मिथुन चक्रवर्ती को मिलेगा दादा साहेब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

मुंबई। भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को 'दादा साहेब फाल्के' लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार 8 अक्टूबर 2024 को 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के दौरान दिया जाएगा। इस सम्मान की घोषणा केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की।

मिथुन दा की सिनेमाई यात्रा ने उन्हें न केवल एक आइकन बनाया है बल्कि पीढ़ियों को प्रेरित भी किया है। मिथुन चक्रवर्ती, जिन्होंने 1976 में अपनी पहली फिल्म "मृगया" से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था, 1980 के दशक में "डिस्को डांसर" के साथ घर-घर में मशहूर हो गए। अपने करियर में उन्होंने 350 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया और तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त किए। उन्हें न केवल भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए बल्कि समाज सेवा में उनके योगदान के लिए भी जाना जाता है।

मुस्लिम समुदाय के लोगों ने खुद तोड़ा मस्जिद पर हुआ अवैध निर्माण

मुंबई। महाराष्ट्र के धारावी में महबूब-ए-सुभानिया मस्जिद के अनधिकृत निर्माण को ट्रस्ट की ओर से हटाया जाना शुरू हो गया है। नगर पालिका जब अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने गई तो विरोध हुआ। धारावी में इस घटना से तनावपूर्ण माहौल हो गया। इस मामले में ट्रस्ट ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाल ही में ट्रस्ट ने मस्जिद में अनधिकृत निर्माण को हटाने का आश्वासन दिया था। इसी के तहत आज ट्रस्ट ने मस्जिद पर हुए अनधिकृत निर्माण को हटाना शुरू कर दिया है। पिछले हफ्ते जब नगर पालिका की टीम मस्जिद के अनधिकृत निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई के लिए आई थी, तब लोगों ने इसका विरोध शुरू कर दिया था। जिससे धारावी में तनावपूर्ण माहौल हो गया था। मामला बढ़ता देख ट्रस्ट ने खुद अनधिकृत निर्माण को हटाने का आश्वासन दिया था। इसी के तहत सोमवार को ट्रस्ट ने मस्जिद पर हुए अनाधिकृत निर्माण को खुद ही तोड़ दिया। मुंबई के धारावी में बीते सप्ताह महबूब-ए-सुबानिया मस्जिद के अवैध पार्ट को तोड़ने को लेकर तनाव फैल गया था। बीएमसी के टीम अवैध हिस्से को तोड़ने पहुंची थी लेकिन भीड़ ने हंगामा कर दिया था। लोग रास्ते पर बैठकर आंदोलन कर रहे थे। कार्रवाई करने पहुंची नगर पालिका की गाड़ी सहित कुछ अन्य गाड़ियों में भी तोड़फोड़ कर दी थी। मुस्लिम समाज के लोगों का कहना है कि ये मस्जिद बहुत पुरानी है और इस पर कार्रवाई गलत है।मुंबई के धारावी के 90 फीट रोड पर 25 साल पुरानी सुभानिया मस्जिद को बीएमसी ने अनाधिकृत बताया था। बीएमसी के अधिकारियों की कार्रवाई से पहले ही मुस्लिम समाज के लोग सड़कों पर आ गए और पूरा रास्ता जाम कर दिया था।

नियमतिकरण की मांग को लेकर महासंघ का सचिवालय कूच

सवाददाता

देहरादून। राज्य निगम कर्मचारी, अधिकारी महासंघ ने नियमितीकरण की मांग को लेकर सचिवालय कूच किया। जहां पर मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत राज्य निगम कर्मचारी, अधिकारी महासंघ के बैनर तले कर्मचारी परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए जहां से उन्होंने सचिवालय के लिए कूच किया। वह जैसे ही अभिषेक टावर के पास पहुंचे तो पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर उनको रोक दिया। जिसके बाद वह वहीं पर धरने पर बैठ गये। जिसके बाद मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि सुरेन्द्र कुमार ने वहां पहुंचकर उनसे ज्ञापन लिया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि राज्य निगम कर्मचारी अधिकारी महासंघ उत्तराखण्ड सार्वजनिक निगमों/निकायों/उपक्रमों के कार्मिकों को जनवरी 2024 से मंहगाई भत्ते का झुनझुना दिखायां। महासंघ के अध्यक्ष दिनेश गौसाई द्वारा कहा गया है आज पूरे प्रदेश में दैनिक/संविदा/विशेष श्रेणी/आउट सोर्स नासूर बन चुकी , बेरोजगारो की सामाजिक सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। सार्वजनिक निगमों /निकायों/उपक्रमो में हजारों पद रिक्त हैं जिनके सापेक्ष दैनिक/संविदा/विशेष श्रेणी/आउटसोर्स के नाम से राज्य गठन के पश्चात लगातार कार्य लिया जा रहा है लेकिन शासन की हीलाहवाली के चलते नियमितीकरण नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण अनेकों कार्मिक नियमित होने की प्रत्याशा में सेवानिवृत हो गये है।

महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश पन्त द्वारा कहा गया कि सार्वजनिक निगमों के कार्मिकों के साथ शासन का रवैया सौतेला रहा है। मंहगाई भत्ता हो या सातवें वेतन आयोग के अनुसार मकान किराया भत्ता, हो या शिथिलीकरण का लाभ दिये बात रही हो किसी पर भी निर्णय नहीं किया जा रहा है। आज तक सार्वजनिक निगमों के कार्मिको को विना आन्दोलन के शासन कुछ देने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा गया कि निगमों / निकायों में सातवें वेतन आयोग की संस्तुतियां लागू करने पर कार्मिक ढांचे में चतुर्थ श्रेणी के पदों को मृत घोषित किया गया। लेकिन निगमों/निकायों में फील्ड के महत्वपूर्ण पदों पर बिना मैन पावर के कार्य नहीं हो सकते हैं। जिनमें हजारों की संख्या में दैनिक आउटसोर्स, पी टी सी, पर ठेकेदारो के माध्यम कार्मिक लगातार राज्य बनने के बाद काम कर रहे हैं। इसलिये जिन पदों को कार्मिक ढांचे में मृत घोषित किया गया उनके सापेक्ष कार्य करने वाले हजारों कार्मिकों को न्याय दिलाने के लिये महासंघ को आन्दोलन के लिये बाध्य होना पड रहा है। इस अवसर परं दिनेश गौसाई, श्याम सिंह नेगी, राजेश रमौला, ओ पी भट्ट, अनुराग नौटियाल, टी एस बिष्ट , शिशुपाल रावत, मनमौहन चौधरी बी एस रावत, संदीप मल्होत्रा, रमेश बिजौला आदि मौजूद थे।

हाई टेंशन की चपेट में आकर जंगली हाथी की दर्दनाक मौत, हड़कंप

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार में एक जंगली हाथी रात के अंधेरे में गांव से थोड़ी ही दूरी पर हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

सूचना मिलते ही वन विभाग और राजाजी टाइगर रिजर्व प्रशासन में हड़कंप मच गया। आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और हाथी के शव को कब्जे में लिया गया। अब हाथी के पोस्टमार्टम की तैयारी में प्रशासन जुट गया है। वहीं आसपास के ग्रामीणों की भीड़ भी हाथी को देखने के लिए मौके पर जुटी हुई है। गौरतलब है कि रोजाना जंगली हाथी आबादी में घुस रहे थे।

वन विभाग और राजाजी टाइगर रिजर्व की टीम इन हाथियों को रोक पाने में नाकाम साबित हो रही थी। बीती रात भी इस हाथी को भगाने के लिए टीम गस्त कर रही थी मगर अचानक यह हाथी हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गया और उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

कर्नल विक्रांत पराशर होंगे जम्मू कश्मीर के नए एसएसपी

संवाददाता

जम्मू। शासन ने बढे फेरबदल करते हुए सेना के कर्नल विक्रांत पराशर को जम्मू कश्मीर का नया एसएसपी तैनात किया। जबकि पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने इसको गलत बताया।

आज यहां जम्मू-कश्मीर पुलिस में एक बड़ा फेरबदल किया गया है. कर्नल विक्रांत पराशर को को अब यहां का नया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यानी एसएसपी बनाया गया है. वह सेना की एलीट पैरा रेजिमेंट के कर्नल हैं। दिलचस्प बात ये है कि ऐसा पहली बार हुआ है कि सेना के किसी अफसर की जम्मू-कश्मीर पुलिस में एंट्री हुई है और उसे पूरे इलाके के पुलिस प्रमुख का कार्यभार सौंपा गया है। हालांकि उनकी इस नियुक्ति को लेकर विरोध भी शुरू हो गया है। पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने कर्नल विक्रांत पराशर की नियुक्ति को गलत करार दिया है। जम्मू-कश्मीर का एसएसपी बनाए जाने से पहले कर्नल विक्रांत पराशर हाई वारफेयर स्कूल गुलमर्ग में तैनात थे। उन्हें दो साल के लिए प्रतिनियुक्ति पर जम्मू-कश्मीर पुलिस में लाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए उनकी नियुक्ति की गई है। कर्नल पराशर को एसएसपी रैंक से जुड़े सभी भत्ते और अधिकार मिलेंगे। जम्मू-कश्मीर गृह विभाग के प्रधान सचिव चंद्राकर भारती द्वारा जारी आदेश में इसकी पुष्टि की गई है। आदेश में कहा गया है, 'प्रशासन के हित में भारतीय सेना से कर्नल विक्रांत पराशर की नियुक्ति को मंजूरी दी जाती है। उन्हें तत्काल प्रभाव से प्रतिनियुक्ति के आधार पर जम्मू-कश्मीर पुलिस में एसएसपी

(प्रशिक्षण) और स्पेशल (ऑप्स) के रूप में नियुक्त किया गया है। कर्नल विक्रांत पराशर कई आतंकवाद विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। उन्हें एक अनुभवी आर्मी ऑफिसर कहा जाता है। साल 2018 में हाई-प्रोफाइल आर्तकियों के खिलाफ चले अभियान में उन्होंने सेना को लीड किया था और आतंकवादियों के मंसूबों को नाकाम कर दिया गया था, जिसके बाद उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया था।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।